TIMES OF INDIA PAGE 5

LU's medal winners shine as ray of hope, serve nature & poor

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The winners of the three most coveted medals of Lucknow University are not only good in academics but have also contributed immensely to society. From planting hundreds of saplings to improving the city's air quality to helping people who were not tech-friendly to register for Covid-19 vaccination, these students have made LU proud.

The Chancellor's Gold Medal, awarded to the best student in all faculties who has also contributed to the university and society, was conferred on LLB (integrated) X semester student Swati Singh.

Swati Singh, Dev Dhar Dubey, Meetendra Srivastava

Dr Chakravarti Gold Medal for service was awarded to LLB (integrated), IX semester, student Dev Dhar Dubey and the Vice-Chancellors' Gold Medal to BA (V semester) student Meetendra Srivastava.

The names of winners were declared on Thursday.

A life member of Indian Red Cross Society, Swati is an NCC cadet who distributed masks and sanitizers during Covid. She also planted trees on LU campus, in parks and on road dividers.

"I run an NGO that works for the elderly. I get satisfaction in helping people and planting saplings. So far, I have planted over 500 saplings. For me, this medal is a motivation to give my 200% for the welfare of society," said Swati.

The winner of Dr Chakravarti medal, Dev Dhar, was awarded for helping people in getting Covid vaccine. He helped a dozen children get enrolled in government schools and teaches kids in Daliganj slums. He has uploaded over 150 videos on social issues.

Meetendra, the winner of the vice-chancellors' medal, was adjudged the best NCC student. Senior under officer of 63UP BN NCC, he said, "I have represented the state in 'Ek Bharat Shrestha Bharat' and was platoon commander of the guards..

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्वाती को चांसलर, देवधर को चक्रवर्ती मेडल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 26 नवंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह के तीन प्रमुख मेडल पर लगाई मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले प्रतिष्ठित चांसलर, चक्रवर्ती व वाइस चांसलर गोल्ड मेडल की बृहस्पतिवार को घोषणा कर दी। इसमें लॉ के विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। इस बार चांसलर गोल्ड मेडल एलएलबी ऑनर्स की स्वाती सिंह को, डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल एलएलबी ऑनर्स के ही देवधर दुबे व वाइस चांसलर मेडल (बेस्ट एनसीसी कैडेट) बीए के छात्र मितेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल होंगी समारोह की अध्यक्ष

लविवि का दीक्षांत समारोह इस बार 26 नवंबर को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उक्त तीन के साथ कुल 15 मेडल दिए जाएंगे, जबकि करीब 180 मेडल विभाग स्तर पर बांटे जाएंगे। कुल 35 हजार विद्यार्थियों को डिग्री अवॉर्ड की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी जबकि विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा होंगे। समारोह मालवीय सभागार में होगा।

नानी से प्रेरित, शुरू करूंगी ओल्ड ऐज होम

अभी विदेश से एलएलएम करने के लिए प्रयासरत हूं। इसके साथ ही अपनों के द्वारा उपेक्षित बुजुर्गों के लिए एक ओल्ड ऐज होम चलाना चाहती हूं। अभी अपने पास की एक बुजुर्ग की दवा, खाने-पीने, कपड़े आदि के लिए सहयोग करती हूं। वहीं अंडर प्रिविलेज बच्चों की पढ़ाई के लिए भी कुछ बेहतर करना चाहती हूं। ऐसे बच्चों को सामान्य पढ़ाई के साथ-साथ कुछ व्यावसायिक पढ़ाई व अन्य एक्टिविटी भी करवाऊंगी, ताकि वे स्वरोजगार के लायक बन सकें। अभी एक 7वीं और एक यूकेजी के बच्चे की पढ़ाई, किताब, कपड़े आदि की व्यवस्था कर रही हूं। उक्त के साथ-साथ मुझे जानवरों से भी प्यार है। स्ट्रीट ट्रॉग के लिए 2014 से काम कर रही हूं। इन सबके लिए मैं अपनी नानी स्मृति सिंह से प्रभावित और प्रेरित हूं। वो तो 2014 में नहीं रहीं, लेकिन उनके नाम पर ओल्ड एज होम चलाऊंगी। पिता एयरफोर्स से सेवानिवृत्त सुधीर सिंह व मां सरिता सिंह से भी हर स्तर पर सहयोग मिलता है।

-स्वाती सिंह, चांसलर गोल्ड मेडल, एलएलबी ऑनर्स

गरीबों को दिलाऊंगा शिक्षा का अधिकार

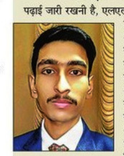

पढ़ाई जारी रखनी है, एलएलएम करना है। इसके साथ-साथ यूपीएससी की तैयारी कर रहा हूं। आईएएस बनकर देश सेवा करनी है। अभी भी गरीब-कमजोर लोग शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं, इनको शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए काम करना है। क्योंकि अगर इन बच्चों को शिक्षित नहीं किया गया तो आगे अशिक्षा और बढ़ेगी। अभी भी मैं अपनी क्षमता के अनुसार विद्यार्थियों को यू-ट्यूब के माध्यम से विधि की पढ़ाई से जुड़े स्टडी मैटीरियल उपलब्ध करा रहा हूं। वहीं वेबसाइट के माध्यम से विधिक सहायता का काम कर रहा हूं। पूर्व में एनजीओ के साथ जुड़कर जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाता था और उनके प्रवेश में भी सहयोग किया है। पिता देवेंद्र धर दुबे अधिवक्ता व मां प्रतिला दुबे गृहिणी हैं।

-देवधर दुबे, डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल, एलएलबी ऑनर्स

एनसीसी से सीखा संगठित होकर काम करना

स्नातक की पढ़ाई के साथ मैं यूपीएससी की तैयारी कर रहा हूं। आईएएस बनकर समाज के पिछले क्षेत्र के विकास के लिए काम करने का इच्छुक हूं। अभी भी गांव में काफी ऐसे लोग हैं, जो अपने हित से जुड़ी योजनाओं से वंचित हैं। एक आईएएस के रूप में इन योजनाओं को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने की कोशिश करूंगा। मैंने एनसीसी ज्वाइन किया, जहां मुझे सामाजिक कार्यों को करने, अपने व्यक्तित्व विकास करने का और सबसे प्रमुख एक संगठन के रूप में काम करने की जानकारी मिली। पिता सेवानिवृत्त अधिकारी देशबंधु श्रीवास्तव व मां संगीता श्रीवास्तव हैं।

-मितेंद्र श्रीवास्तव, वाइस चांसलर गोल्ड मेडल (एनसीसी कैडेट), बीए

पीजी में 14 पाठ्यक्रमों के लिए चौथा सीट अलॉटमेंट जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होती नहीं दिख रही है। विधि प्रशासन कवायद के बाद भी 14 पाठ्यक्रमों की सीटें अभी खाली हैं। इनके लिए चौथा सीट अलॉटमेंट जारी किया गया है। इसे अभ्यर्थियों के लॉगइन पर उपलब्ध करा दिया गया है।

कल तक जमा करनी होगी फीस

विधि में पीजी की प्रवेश प्रक्रिया काफी पीछे चल रही है। पिछले दिनों प्रवेश समिति की बैठक में 15 नवंबर तक पीजी प्रवेश समाप्त करने की बात हुई थी, लेकिन इसके बाद भी प्रवेश पूरे नहीं हुए। अब चौथी मेरिट जारी कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर के अनुसार पीजी एंथ्रोपोलॉजी, मास्टर पब्लिक हेल्थ, एमकॉम कॉमर्स (सेल्फ फाइनेंस), मास्टर पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन), माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, अर्थशास्त्र (सेल्फ फाइनेंस), फोरेंसिक साइंस, सोशियोलॉजी, अंग्रेजी, भूगोल, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में खाली सीटों के साथ चौथा सीट अलॉटमेंट जारी किया गया है। इसकी कट ऑफ एडमिशन पेज पर जारी कर दी गई है। विद्यार्थी 20 नवंबर तक फीस जमा कर प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

इनमें प्रवेश पूरा

विधि प्रशासन के अनुसार पीजी केमेस्ट्री, फिजिक्स, हिंदी, स्टेटिस्टिक्स, एमएसडब्ल्यू (रेगुलर), अप्लाइड जियोलॉजी, साइकोलॉजी, एमआईएच, राजनीति विज्ञान, बायोकेमेस्ट्री, बॉटनी, कंप्यूटर साइंस, जियोलॉजी, मैथ्स, जूलॉजी, एमपीएड में प्रवेश पूरा हो चुका है।

मिड सेमेस्टर परीक्षा का कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कई पाठ्यक्रमों में मिड सेमेस्टर परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया। कॉमर्स विभागाध्यक्ष के अनुसार एमकॉम तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 29 नवंबर से 01 दिसंबर के बीच, एमएसडब्ल्यू तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 27 से 30 नवंबर तक, मास्टर ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 27 से 30 नवंबर तक होगा। वहीं, एमएससीजेए तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 27 से 29 नवंबर तक, एमपीएच तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 27 से 30 नवंबर तक, बीए ऑनर्स तीसरे सेमेस्टर का मिड सेमेस्टर एग्जाम 27 से 30 नवंबर तक होगा। परीक्षा सुबह 09 से 10 बजे के बीच आयोजित होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

खाली सीटें भरने को चौथी मेरिट जारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से लगातार स्टूडेंट्स को मौका दिए जाने के बाद भी पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज की सीटें नहीं भर पा रही हैं. अभी 14 ऐसे सब्जेक्ट हैं, जिनमें सीटें खाली हैं. इनमें तीन सेल्फ फाइनेंस के कोर्स भी शामिल हैं. गुरुवार को यूनिवर्सिटी ने इन विषयों में बची सीटों के सापेक्ष मेरिट के आधार पर चौथा सीट आवंटन जारी कर दिया.

इन विषयों की मेरिट जारी

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीजी के विषयों में एंथ्रोपोलॉजी, मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ, एमकाम (सेल्फ फाइनेंस), एम काम एप्लाइड इकोनॉमिक्स (सेल्फ फाइनेंस), मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (कम्यूनिटी मेडिसिन), माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट साइंस, बायो टेक्नोलाजी, इकोनॉमिक्स (सेल्फ फाइनेंस), फॉरेंसिक साइंस, सोशियोलॉजी, इंग्लिश, जियोग्राफी और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन शामिल हैं. चौथे आवंटन में जिन्हें सीट मिली है, उनके पास 20 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका है. सूची में शामिल इन विषयों की कट ऑफ भी वेबसाइट पर जारी की गई है.

i-NEXT PAGE 6 & 8

स्वाती को चांसलर मेडल देवधर दुबे को चक्रवर्ती

26 नवंबर को होने वाले दीक्षांत के लिए एलयू ने घोषित किये टॉप तीन मेडल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के 64वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 26 नवंबर को होना है. शुक्रवार को एलयू प्रशासन ने टॉप तीन मेडल चांसलर, चक्रवर्ती और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए ऐलान कैंडीडेट्स के चुनाव के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया आयोजित की. जिसके बाद चांसलर मेडल लॉ डिपार्टमेंट की एलएलबी फाइव इयर (आनर्स) फाइनल इयर की छात्रा स्वाती सिंह को मिला. वहीं चक्रवर्ती मेडल एलएलबी फाइव इयर (आनर्स) फाइनल के देवधर दुबे और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल फॉर बेस्ट एनसीसी कैडेट मेडल मीतेंद्र श्रीवास्तव को फाइनल हुआ. एग्जाम कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि तीनों मेडल के लिए 64 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है. चांसलर मेडल के लिए सर्वाधिक 37 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है. वहीं चक्रवर्ती मेडल के लिए 19 और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल फॉर बेस्ट एनसीसी कैडेट्स के लिए 8 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था.

राज्यपाल होंगी मुख्य अतिथि

दीक्षांत इस बार सादगी से मनाया जाएगा. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में किसी राष्ट्रीय स्तर के नेता को नहीं बुलाया गया है. गत वर्ष की भांति राज्यपाल और यूनिवर्सिटी की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ही मुख्य अतिथि हो सकती हैं. वहीं उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं. गुरुवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की दीक्षांत समारोह प्रस्तावों पर मुहर लगा दी. साथ ही समारोह में दिए जाने वाले 15 मेडल के लिए टॉपर्स के नामों पर भी अपनी सहमति प्रदान कर दी है.

4 नेशनल अवार्ड जीत, बढ़ा चुकी है एलयू का गौरव

मैंने एलयू की लॉ फैकल्टी से ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की है. स्टडी के दौरान मैंने एलयू की इमेज और इसके नाम को देश-विदेश में कैसे रोशन किया जाए, इसी पर फोकस रखा. पढ़ाई के दौरान ही मैंने एनसीसी-एनएसएस ज्वाइन किया था. इसके अलावा मैं अपने डिपार्टमेंट में मूट कोर्ट आर्गनाइज कराने वाली कमेटी में भी रही हूं, इस दौरान कैम्पस में 35 से ज्यादा नेशनल व इंटरनेशनल इवेंट कराए. खुद 70 से ज्यादा इवेंट में हिस्सा लिया है. जिसमें मुझे 4 नेशनल अवार्ड भी मिले हैं. इसके साथ ही कैम्पस में अपने डिपार्टमेंट के पास खाली पड़े खंडहर को साफ कर वहां एक रोज गार्डन बनाया है. जिसमें 300 से अधिक इंग्लिश रोज लगे हैं. वहीं 500 पेड़ भी कैम्पस में लगाए हैं. उन्होंने खुद ही देखभाल करती हूं. इसके साथ ही हर डिपार्टमेंट में डिस्बैंब रखने से लेकर साफ-सफाई तक का काम किया है. मेरे पिता सुधीर सिंह इंडियन एयर फोर्स से रिटायर्ड हैं और मां सरिता सिंह अपना बिजनेस करती हैं. **स्वाती सिंह,** चांसलर गोल्ड मेडल

लोगों को रे रहे हैं लॉ की जानकारी

चक्रवर्ती मेडल के लिए चयन होना, सपने के पूरा होने के समान है. इंटरव्यू को लेकर काफी तैयारी की थी. मैंने पढ़ाई के साथ-साथ कल्चरल एवं स्पोर्ट्स कमेटी में शामिल होकर कई कार्यक्रम आयोजित कराए. झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों पर सर्वे कराकर गरीब लोगों की प्रॉब्लम को दूर किया. साथ ही उनके लिए बने लॉ के बारे में उनको जानकारियां तक मुहैया कराता आ रहा हूं, लोगों को निशुल्क विधिक सलाह देने के लिए यू-ट्यूब चैनल व वेबसाइट शुरू की, जिसमें 300 से अधिक वीडियोज अपलोड कराई. आगे जरूरत मुझे सिविल की तैयारी करना है. मेरे पिता देवेंद्र धर दुबे वकील हैं, मां प्रतिमा दुबे गृहिणी हैं. **देव धर दूबे,** डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल

भविष्य का लक्ष्य आईएएस बनना

12वीं करने के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीए में प्रवेश लिया है. अभी पांचवें सेमेस्टर की पढ़ाई चल रही है. पापा देशबंधु श्रीवास्तव आर्मी में हवलदार पद से सेवानिवृत्त हैं. ममी संगीता श्रीवास्तव गृहिणी हैं. एनसीसी में सीनियर अंडर ऑफिसर हूं. आगे आइएएस की तैयारी करनी है. मैं पढ़ाई के साथ एनसीसी के एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप में लखनऊ ग्रुप में भी शामिल रहा. **मीतेंद्र श्रीवास्तव,** वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट

HINDUSTAN PAGE 8

कार्यपरिषद की बैठक में फैसला: समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी और अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा शामिल होंगे

विधि छात्रा स्वाति को चांसलर्स गोल्ड, देवधर को चक्रवर्ती, मितेन्द्र को वाइस चांसलर्स मेडल

एलयू दीक्षांत

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर को होने वाले 64वें दीक्षांत समारोह में विधि छात्रा स्वाति सिंह को चांसलर्स गोल्ड मेडल दिया जाएगा। विधि के ही छात्र देवधर दुबे को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल और एनसीसी सीनियर अंडर ऑफीसर व बीए के छात्र मितेन्द्र श्रीवास्तव को वाइस चांसलर्स गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा।

गुरुवार को लखनऊ विवि व सम्बद्ध कॉलेजों से छात्र-छात्राओं को इन तीनों प्रतिष्ठित मेडल के लिए साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। इसके बाद कार्य परिषद की बैठक आयोजित कर तीनों मेडल पर अंतिम निर्णय लिया गया।

कार्यपरिषद की बैठक में यह तय किया गया है कि पिछली बार की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह सीमित व साधारण ही रखा जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी और अतिथि के रूप में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा शामिल होंगे। इस बार भी मानद उपाधि नहीं दी जाएगी। मंच से मेडल भी 15 ही दिए जाएंगे। बाकी मेडल विभागवार दिए जाएंगे।

जनसेवा जीवन का ध्येय

विश्वविद्यालय का सबसे प्रतिष्ठित, चांसलर्स गोल्ड मेडल हासिल करने वाली स्वाति के पिता सुधीर सिंह भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड हैं और मां सरिता सिंह बिजनेस चलाती हैं। लखनऊ के नेहरू एन्क्लेव में रहने वाली स्वाति ने सीएमएस गोमतीनगर कैम्पस पर से 12वीं तक पढ़ाई की है। अपने भाई शुभम को वह अपना रोल मॉडल मानती है, जिन्हें एलएलएम के लिए लंदन से 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिली थी। स्वाति भी उन्हीं की तरह विदेश से एलएलएम करना चाहती हैं। स्वाति वकालत के साथ-साथ, समाजसेवा को ही जीवन का उद्देश्य बताती हैं। उपलब्धियों की बात करें तो उन्हें चार

68%

स्वाति सिंह, चांसलर्स गोल्ड मेडल एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम

नेशनल अवॉर्ड मिले हैं। जिनमें दो बेस्ट स्पीकर इन फ्यार प्रोजेक्टशन के हैं और दो मॉडल मूनाडेंट नेशन व मूटकोर्ट के। इसके अलावा स्वाति इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की आजीवन सदस्य हैं। 70 से ज्यादा मंचों पर विधि का प्रतिनिधित्व किया है।

अफसर बनकर लोगों की सेवा का लक्ष्य

गोरखपुर के रहने वाले देवधर दुबे के पिता देवेन्द्र धर दुबे, गोरखपुर दीवानी न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और मां प्रमिला दुबे गृहिणी। एलएलबी आठवें सेमेस्टर तक 78 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले देवधर ने विधि की कल्चरल एंड स्पोर्ट्स कमेटी के अंतर्गत कई आयोजन करवाए। न्यू कैम्पस में संस्कृति सुरभि से भी जुड़े हैं। एनसरसस में मलिन बस्तियों में जाकर बच्चों को पढ़ाया और वहां रहने वाले परिवारों को कानून की जानकारी दी। यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं और अफसर बनकर लोगों की सेवा करना चाहते हैं।

78%

देवधर दुबे- चक्रवर्ती गोल्ड मेडल एलएलबी पंचवर्षीय (नौवा सेमेस्टर)

एनसीसी ने सिखाया जीने का सलीका

74.5%

मितेन्द्र- वाइस चांसलर्स गोल्ड मेडल बीए पांचवा सेमेस्टर

बीए पांचवे सेमेस्टर के छात्र मितेन्द्र, एन्थ्रोपोलॉजी व पॉलिटिकल साइंस विषयों से पढ़ाई कर रहे हैं और एनसीसी में सीनियर अंडर ऑफीसर हैं। मितेन्द्र मूलरूप से कानपुर के बिल्हौर के रहने वाले हैं। आर्मी में नायब सूबेदार के पद से रिटायर होने के बाद उनके पिता देवांबुद्ध श्रीवास्तव लखनऊ में रहने लगे। मां संगीता गृहिणी हैं। मितेन्द्र ने एनसीसी के एक भारत श्रेष्ठ भारत कैम्प में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में प्लाटून कमांडर रहे। बीए के चौथे सेमेस्टर तक प्रतिशत 74.5 है। मितेन्द्र कहते हैं कि एनसीसी ने जीने का सलीका सिखाया।

एलयू: पीजी के 14 विषयों में अब भी सीटें नहीं भरीं

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के कुछ विषयों में बची सीटों के लिए चौथा सीट एलॉटमेंट जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार यह सूचनाएं अभ्यर्थी के लॉग-इन पर उपलब्ध हैं। शनिवार तक इन विषयों में दाखिले के लिए अभ्यर्थियों की ओर से फीस जमा की जा सकती है।

मिडटर्म परीक्षा का कार्यक्रम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर से मिडटर्म परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। इनमें एमकॉम तृतीय सेमेस्टर, एमएसडब्ल्यू तृतीय सेमेस्टर, मास्टर्स इन पॉपुलेशन साइंस तृतीय सेमेस्टर, एमसीसीजेए तृतीय सेमेस्टर, एमपीएच कम्यूनिटी मेडिसिन तृतीय सेमेस्टर, बीए ऑनर्स तृतीय व पांचवा सेमेस्टर शामिल है। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं वेबसाइट देख सकते हैं।

गुरुवार को कई पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया।

JAGRAN CITY PAGE III

स्वाति को चांसलर, देव को मिलेगा चक्रवर्ती गोल्ड मेडल

- वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट मीतेंद्र श्रीवास्तव को
- लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किए तीन मेडल के लिए चयनित विद्यार्थियों के नाम

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 64वें दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले तीन मुख्य मेडल के लिए छात्र-छात्राओं का चयन कर लिया। इनमें दो मेडल लॉ और एक एनसीसी का शामिल है। इस बार चांसलर गोल्ड मेडल पांच वर्षीय एलएलबी (आनर्स) फाइनल इयर की छात्रा स्वाति सिंह को मिलेगा।

वहीं, डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए पांच वर्षीय एलएलबी (आनर्स) 9वें सेमेस्टर के छात्र देवधर दुबे और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट मीतेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा। गुरुवार को देर शाम विश्वविद्यालय ने इन नामों की सूची जारी की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि तीनों मेडल के लिए विभागों से छात्र-छात्राओं के नाम प्रस्तावित किए गए थे। गुरुवार को सुबह चयन समिति ने इन विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। उसके बाद तीन मेडल के लिए चयनित नामों को कार्य परिषद की बैठक से मंजूरी दी।

भैया से प्रेरित होकर की एलएलबी की पढ़ाई

चांसलर गोल्ड मेडल के लिए तीसरी बार साक्षात्कार दिया। मैंने पांच वर्षीय एलएलबी आनर्स फाइनल इयर की परीक्षा में 68 फीसद अंक हासिल किए हैं। बड़े भैया शुभम सिंह वकील हैं। उनसे प्रेरित होकर इसकी पढ़ाई की। पौधारोपण और कई सामाजिक कार्यों में प्रतिभाग किया। पापा सुधीर सिंह भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद अब प्राइमरी स्कूल कुचमा रायबरेली में शिक्षक हैं। मम्मी सरिता सिंह अपना बिजनेस करती हैं।

स्वाति सिंह, चांसलर गोल्ड मेडल

वेबसाइट के माध्यम से दे रहा विधिक सलाह

पहली बार साक्षात्कार में शामिल हुआ। पढ़ाई के साथ-साथ कल्चरल एवं स्पोर्ट्स कमेटी में शामिल होकर कई कार्यक्रम आयोजित कराए। इसके अलावा ट्रांसजेंडर से लेकर कई सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाया। लोगों को निश्शुल्क विधिक सलाह देने के लिए यू-ट्यूब चैनल व वेबसाइट शुरू की। पापा देवेंद्र धर दुबे वकील हैं, इसलिए मैंने भी यही चुना। मम्मी प्रतिमा दुबे गृहिणी हैं।

देवधर दुबे, डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल

भविष्य का लक्ष्य आइएएस बनना

अभी पांचवें सेमेस्टर की पढ़ाई चल रही है। मेडल के लिए पहली बार साक्षात्कार दिया। पापा देशबंधु श्रीवास्तव आर्मी में हवलदार पद से सेवानिवृत्त हैं। मम्मी संगीता श्रीवास्तव गृहिणी हैं। एनसीसी में सीनियर अंडर आफिसर हूं। आगे आइएएस की तैयारी करनी है। मेडल के लिए चयन होने की जानकारी मेरे एसोसिएट एनसीसी आफिसर मेजर आरके शुक्ला सर ने दी तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैं पढ़ाई के साथ एनसीसी के एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप में लखनऊ ग्रुप में भी शामिल रहा। इस कैंप ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था।

मीतेंद्र श्रीवास्तव, वाइस चांसलर गोल्ड मेडल बेस्ट एनसीसी कैडेट

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि नहीं

कुलपति प्रो .आलोक कुमार राय ने बताया कि दीक्षा समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। गेस्ट आफ आनर के रूप में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा को बुलाने की तैयारी है। इस बार मुख्य अतिथि नहीं होंगे। कार्यक्रम मालवीय सभागार में होगा।

परास्नातक की सीटें भरनी मुश्किल फिर चौथा आवंटन जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) की ओर से अभ्यर्थियों को मौका दिए जाने के बाद भी परास्नातक पाठ्यक्रमों की सीटें नहीं भर पा रही हैं। अभी 14 ऐसे विषय हैं, जिनमें सीटें खाली हैं। इनमें तीन सेल्फ फाइनेंस के कोर्स भी शामिल हैं। गुरुवार को विश्वविद्यालय ने इन विषयों में बची सीटों के सापेक्ष मेरिट के आधार पर चौथा सीट आवंटन जारी कर दिया। अभ्यर्थी अपने लागइन पर इसे देख सकते हैं।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीजी के विषयों में एंथ्रोपोलोजी, मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ, एमकाम (सेल्फ फाइनेंस), एम काम एप्लाइड इकोनामिक्स (सेल्फ फाइनेंस), मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (कम्यूनिटी मेडिसिन), माइक्रोबायोलोजी, प्लांट साइंस, बायो टेक्नोलाजी, इकोनामिक्स (सेल्फ फाइनेंस), फारेंसिक साइंस, सोशियोलोजी, इंग्लिश, जियोग्राफी और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन शामिल हैं। चौथे आवंटन में जिन्हें सीट मिली है, उनके पास 20 नवंबर तक फीस जमा करने का मौका है।

इनमें पूरे हुए प्रवेश: परास्नातक के 16 विषयों की सभी सीटों पर प्रवेश पूरे हो गए हैं। इनमें केमेस्ट्री, फिजिक्स, हिन्दी, सांख्यिकी, एमएसडब्लू रेगुलर, एप्लाइड जियोलाजी, साइकोलोजी, एमआइएच, पोलिटिकल साइंस, बायोकेमेस्ट्री, बाटनी, कम्प्यूटर साइंस, जियोलोजी, मैथ्स, जूलोजी और एमपीएड शामिल हैं।

पालीटेक्निक में प्रवेश के लिए काउंसलिंग आज से

पालीटेक्निक में प्रवेश से वंचित अभ्यर्थियों के लिए शुक्रवार से आनलाइन काउंसलिंग शुरू कर रहा है। अभ्यर्थी 25 नवंबर तक आनलाइन विकल्प भर सकेंगे। 26 को परिणाम घोषित होगा। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के प्रभारी सचिव राम रतन ने बताया कि 30 नवंबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

इस बार एलयू का चांसलर पदक स्वाति व चक्रवर्ती मेडल देवधर को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- दीक्षांत में मंच से केवल 15 टॉपर्स को ही दिया जाएगा मेडल

26 नवम्बर को प्रस्तावित लविवि के 64वें दीक्षांत समारोह में चांसलर मेडल लॉ डिपार्टमेंट की छात्रा स्वाती सिंह को मिलेगा जबकि चक्रवर्ती मेडल लॉ फिफ्थ इयर के स्टूडेंट्स देवधर दुबे को दिया जाएगा जबकि वाइस चांसलर गोल्ड मेडल फॉर बेस्ट एनसीसी कैडेड का मेडल मीतेंद्र श्रीवास्तव को दिया जाएगा।

गुरुवार को विवि प्रशासन ने टॉप तीन मेडल चांसलर, चक्रवर्ती और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए आयोजित इंटरव्यू के बाद मेधावियों के नाम जारी कर दिए। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो एएम सक्सेना ने बताया कि तीनों ही मेडल के लिए 64 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था। चांसलर मेडल के लिए सबसे अधिक 37 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है जबकि चक्रवर्ती मेडल के लिए 19 स्टूडेंट्स और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल फॉर बेस्ट एनसीसी कैडेट्स मेडल के लिए 8 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था।

चांसलर गोल्ड मेडल पाने वाली छात्रा स्वाति सिंह ने बताया कि पढ़ाई के दौरान ही एनसीसी-एनएसएस ज्वाइन किया था। इसके अलावा अपने डिपार्टमेंट में मूट कोर्ट आर्गनाइज्ड कराने वाली कमेटी में भी रही हूं। इस दौरान कैम्पस में 35 से ज्यादा नेशनल व इंटरनेशनल इवेंट कराएं है। साथ ही खुद ही 70 से ज्यादा इवेंट में हिस्सा लिया है। जिसमें 4 नेशनल अवार्ड भी मिलें है। इसके साथ ही कैम्पस में अपने डिपार्टमेंट के पास खाली पड़े खंडहर को साफकर वहां पर एक रोज गार्डन बनाया है। जिसमें 300 से अधिक इंग्लिश रोज लगे हैं। वहीं 500 पेड़ भी पूरे कैम्पस में लगाए है। चक्रवर्ती गोल्ड मेडल विजेता देवधर दुबे का कहना है कि पढ़ाई के साथ.साथ कल्चरल एवं स्पोर्ट कमेटी में शामिल होकर कई कार्यक्रम आयोजित कराए। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी व इसके आसपास के